UP Board Important Questions Class 11 भारत भौतिक पर्यावरण Chapter 2 संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान Bharat Bhautik Paryavaran

प्रश्न 1 करेवा किसे कहते हैं?

उत्तर: करेवा 'पीरपंजाल श्रेणी पर 1000-1500 मीटर की ऊँचाई पर स्थित हिमोढ़ के जमाव है जिन्हें हिमनदियों ने निक्षेपित किया है। यहाँ पर केसर (जाफरान) की खेती होती है।

प्रश्न 2 वृहत् हिमालय श्रृंखला को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर: वृहत् हिमालय श्रृंखला को केंद्रीय अक्षीय श्रेणी' अथवा महान हिमलाय भी कहा जाता है। इसकी पूर्व-पश्चिम लम्बाई लगभग 2500 किमी. तथा उत्तर-दक्षिण चौड़ाई 160 से 400 किमी. तक है।

प्रश्न 3 जम्मू व कश्मीर की दो अलवणीय झीलें तथा दो लवणीय झीलें कौन सी हैं?

उत्तर: डल झील व वुलर झील अलवणीय झीलें हैं जबकि पाँगाँगसो (Pangongstso) तथा सोमुरीरी (Tsomuriri) लवणीय झीलें हैं।

प्रश्न 4 जम्मू और कश्मीर की राजधानी (श्रीनगर) कौन-सी नदी के किनारे स्थित है?

उत्तर: झेलम नदी के किनारे।

प्रश्न 5 प्रसिद्ध 'फूलों की घाटी' किस पर्वतीय क्षेत्र में स्थित है?

उत्तर: वृहत् हिमालय – उत्तराखंड राज्य में ।

प्रश्न 6 दुआर स्थलाकृतियां कहां पाई जाती है?

उत्तर: दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय में।

प्रश्न 7 दुआर स्थलाकृतियों का उपयोग किसके लिये किया जाता है?

उत्तर: चाय के बागानों के लिये।

प्रश्न 8 मणिपुर और मिजोरम की एक मुख्य नदी कौन सी है?

उत्तर: बराक नदी।

प्रश्न 9 लोकताक झील किस राज्य में स्थित है?

उत्तर: मणिपुर में |

प्रश्न 10 अरावली पर्वत की सबसे ऊँची चोटी कौन-सी है?

उत्तर: गुरू शिखर

प्रश्न 11 'मालेसिस बेसिन' किस राज्य को कहा जाता है?

उत्तर: मिजोरम में।

प्रश्न 12 महाराष्ट्र में पश्चिमी घाट को किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर: सहयाद्री।

प्रश्न 13 प्रायद्वीपीय पठार की सबसे ऊँची चोटी कौन सी है?

उत्तर: अनाईमुडी (2695 मीटर)

प्रश्न 14 नीलगिरी पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटी कौन-सी है?

उत्तर: डोडाबेटा (2637 मी.)

प्रश्न 15 पूर्वी और पश्चिमी घाट कहां आपस में मिलते हैं?

उत्तर: नीलगिरी पहाड़ियों में ।

प्रश्न 16 मालाबार तट की विशेष स्थलाकृति 'कयाल' किस कार्य के लिए प्रयोग में लायी जाती है?

उत्तर: मछली पकड़ने तथा अंतःस्थलीय नौकायन के लिए।

प्रश्न 17 नेहरू ट्रॉफी वलामकाली (नौका दौड़) का आयोजन कहाँ किया जाता है?

उत्तर: 'पुन्नामदा कयाल' में जो केरल में स्थित हैं।

प्रश्न 18 कौन-सा तटीय मैदान उभरे हुए तट का उदाहरण है?

उत्तर: पूर्वी तटीय मैदान।

प्रश्न 19 दक्कन का पठार कौन-सी चट्टानों से बना है?

उत्तर: प्राचीन नीस और ग्रेनाइट से।

प्रश्न 20 भारत में स्थित हिमालय पर्वत की सबसे ऊंची चोटी कौन-सी है?

उत्तर: कंचनजंगा 8598 मीटर ।

प्रश्न 21 भारत की प्राचीनतम पर्वत श्रेणी कौन सी है?

उत्तर: अरावली पर्वत श्रेणी

प्रश्न 22 अंडमान और निकोबार को कौन-सा जलक्षेत्र अलग करता है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: 10 डिग्री चैनल

प्रश्न 23 भारत में प्रवाल द्वीपों का एक समूह कौन सा है?

उत्तर: लक्षद्वीप समूह

प्रश्न 24 भारत का एक मात्र जीवंत सक्रिय ज्वालामुखी कहाँ स्थित है?

उत्तर: बैरन द्वीप एक मात्र जीवंत ज्वालामुखी है जो निकोबार द्वीपसमूह में स्थित है।

प्रश्न 25 अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की सबसे ऊंची चोटी कौन सी है?

उत्तर: सैडल चोटी (738 मीटर) जो उत्तरी अंडमान में स्थित है।

प्रश्न 26 लक्षद्वीप द्वीपसमूह का सबसे बड़ा द्वीप कौन सा है?

उत्तर: मिनिकॉय सबसे बड़ा द्वीप है जिसका क्षेत्रफल 453 वर्ग किलोमीटर है।

प्रश्न 27 लक्षद्वीप द्वीपसमूह के कितने द्वीपों पर मानव आवास है?

उत्तर: केवल 11 द्वीपों पर ।

प्रश्न 28 भारत के कुछ प्रमुख दूनों का नाम लिखो।

उत्तर: चंडीगढ़-कालका दून, नालागढ़ दून, हरीके दून, देहरादून, कोटड़ी दून। इनमें देहरादून सबसे बड़ा दून है।

प्रश्न 29 झूम (Jhumming) खेती हिमालय के किस क्षेत्र की विशेषताएँ हैं?

उत्तर: अरूणाचल हिमालय की।

प्रश्न 30 नदी की प्रौढ़ावस्था में बनने वाली कोई दो निक्षेपण स्थलाकृतियों के नाम बताइए।

उत्तर: बालु रोधिका, विसर्प, गोखुर झील, गुंफित सरिताएँ आदि।

प्रश्न 31 कश्मीर हिमालय में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल कौन से हैं?

उत्तर: वैष्णो देवी, अमरनाथ गुफा, चरार-ए-शरीफ।

प्रश्न 32 हिमाचल उत्तराखंड हिमालय में स्थित पवित्र तीर्थ स्थान कौन से हैं?

उत्तर: गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ तथा हेमकुंड साहिब ।

प्रश्न 33 मेघालय पठार में कौन से खनिजों के भंडार हैं?

उत्तर: कोयला, लोहा, सिलीमेनाइट, चूना पत्थर तथा यूरेनियम ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 भारत के विशाल मैदान को उच्चावच की भिन्नताओं के आधार पर बाँटकर वर्णन कीजिए?

उत्तर:

1. भाबर :- यह क्षेत्र शिवालिक पर्वत श्रेणी की तलहटी में उसके समानान्तर पतली पट्टी के रूप में 8 से 10 कि.मी. की चौड़ाई में फैला है। हिमालय पर्वत श्रेणियों से बाहर निकलती नदियां यहाँ पर अपने साथ लाये हुए कंकड़-पत्थर, रेत, बजरी जमा कर देती है और कभी-कभी ये नदियां इस मलबे में लुप्त हो जाती है।

2. तराई :- भाबर के दक्षिण में तराई क्षेत्र है। भाबर के समानान्तर इसकी चौड़ाई 10 से 20 किमी है। भाबर क्षेत्र में लुप्त नदियां इस प्रदेश में धरातल पर निकल आती है। इसलिए इस क्षेत्र में भूमि दलदली हो जाती है। यह भूमि प्राकृतिक वनस्पति से सघन आच्छादित होती है।

3. बांगर :- मैदान का वह भाग जहां नदियों की बाढ़ का जल हर वर्ष नहीं पहुंच पाता। इस क्षेत्र का निर्माण पुरानी जलोढ़ मिट्टी से हुआ है। इस क्षेत्र में कहीं-कहीं चूनायुक्त कंकरीली मिट्टी पाई जाती है।

4. खादर :- खादर वह क्षेत्र है जहां नदियों की बाढ़ का जल प्रतिवर्ष फैलता रहता है। जिसके कारण हर वर्ष मिट्टी की नई परत बिछ जाती है। नई मिट्टी के जमाव के कारण खादर क्षेत्र बहुत उपजाऊ होते हैं ।

प्रश्न 2 भारत में ठंडा मरूस्थल कहां स्थित है? इस क्षेत्र की मुख्य श्रेणियों के नाम बताइए?

उत्तर:

1) भारत में ठंडा मरूस्थल कश्मीर हिमालय के उत्तर पूर्वी क्षेत्र लेह-लद्दाख में स्थित है।

2) यह ठंडा मरूस्थल वृहत हिमालय और कराकोरम श्रेणियों के बीच स्थित है।

3) इस क्षेत्र की प्रमुख श्रेणियां निम्न है:

(अ) लद्दाख श्रेणी (ब) जॉस्कर श्रेणी (स) कराकोरम श्रेणी

प्रश्न 3 हिमालय पर्वतमाला की पूर्वी पहाड़ियों की तीन विशेषताएं बताइए?

उत्तर:

1) हिमालय पर्वत के इस भाग में पहाड़ियों की दिशा उत्तर से दक्षिण है।

2) ये पहाड़ियां विभिन्न स्थानीय नामों से जानी जाती है। उत्तर में पटकाई बूम, नागा पहाड़ियां, मणिपुर पहाड़ियां और दक्षिण में मिजो या लुसाई पहाड़ियों के नाम से जानी जाती है।

3) यह नीची पहाड़ियों का क्षेत्र है जहां अनेक जनजातियां 'झूम' या स्थानांतरी खेती/कृषि में संलग्न है।

प्रश्न 4 अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में स्थित द्वीप समूहों का तुलनात्मक अध्ययन तीन बिन्दुओं में कीजिए? उत्तर

https://www.evidyarthi.in/

1) ये द्वीप समूह अरब सागर में लक्षद्वीप तथा बंगाल की खाड़ी में अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के नाम से जाने जाते हैं।

2) बंगाल की खाड़ी में लगभग 572 द्वीप हैं जिन्हें दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है और इन्हें 10 डिग्री चैनल द्वारा अलग किया जाता है। ये द्वीप समूह जलमग्न पर्वतों के ऊपरी भाग है। कुछ छोटे द्वीपों की उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है। भारत का एक मात्र सक्रिय ज्वालामुखी, निकोबार द्वीप समूह के बैरन द्वीप में स्थित है।

3) अरब सागर के द्वीपों में लक्षद्वीप और मिनिकॉय द्वीप शामिल हैं। यह पूरा द्वीप समूह प्रवाल निक्षेप से बना है। यहाँ 36 द्वीप है और इनमें से केवल 11 द्वीपों पर ही मानव बसाव है। मिनिकॉय सबसे बड़ा द्वीप है। पूरा द्वीप समूह 11 डिग्री चैनल द्वारा दो भागों में बांटा गया है। उत्तर में अमीनी द्वीप और दक्षिण में कवरत्ती द्वीप।

प्रश्न 5 भारत के पश्चिमी तटीय मैदान तथा पूर्वी तटीय मैदान की तीन बिन्दुओं में तुलना कीजिए?

उत्तर:

पश्चिमी तटीय मैदान :

1) यह तटीय मैदान मध्य भाग में संकीर्ण है परंतु उत्तर और दक्षिण में चौड़े हो जाते हैं।

2) यहां बहने वाली नदियाँ अपेक्षाकृत छोटी हैं और ये डेल्टा नहीं बनाती।

3) यह मैदान अधिक कटा-फटा है जिस कारण यहां पत्तनों एवं बंदरगाह के विकास के लिए प्राकृतिक परिस्थितियां अनुकूल है। इसे उत्तर में गोवा तट, कोंकण तट तथा दक्षिण में केरल तक मालाबार तट कहते हैं ।

पूर्वी तटीय मैदान :

1) पश्चिमी तटीय मैदान की तुलना में पूर्वी तटीय मैदान चौड़ा है।

2) यहां बहने वाली नदियां लम्बे, चौड़े डेल्टा बनाती हैं।

3) इसमें महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी का डेल्टा शामिल हैं।

4) उभरा हुआ तट होने के कारण यहां बंदरगाह कम हैं। यहाँ पत्तनों और बंदरगाहों का विकास मुश्किल है।

5) यह गोदावरी नदी के मुहाने से उत्तर की ओर उत्तरी सरकार तट तथा इसके दक्षिण में इसे कोरोमंडल तट कहते हैं।

प्रश्न 6 पश्चिमी तटीय मैदान पर कोई डेल्टा क्यों नहीं है?

उत्तर: पश्चिमी तटीय मैदान, अरब सागर के तट पर फैला एक संकरा मैदान है। इसके पूर्व में पश्चिमी घाट की पहाड़ियां है जिनसे अनेक छोटी-छोटी और तीव्रगामी नदियां निकलती है। छोटा मार्ग और कठोर शैल होने के कारण ये नदियां अधिक तलछट नहीं लातीं। अवसाद का पर्याप्त निक्षेप न होने के कारण यहां कोई डेल्टा नहीं बन पाता।

प्रश्न 7 "भारतीय मरूस्थल कभी समुद्र का हिस्सा था।" इस कथन की पुष्टि कीजिए?

उत्तर: भारतीय मरूस्थल अरावली पहाड़ियों के उत्तर पश्चिम में स्थित हैं। यह माना जाता है कि मैसोजोइक काल में यह क्षेत्र समुद्र का हिस्सा था। इसके निम्नलिखित प्रमाण हैं –

1) आकल में स्थित काष्ठ जीवाश्म पार्क तथा

2) जैसलमेर के निकट ब्रह्मसर के आस-पास के समुद्री निक्षेप हैं।

प्रश्न 8 अरूणाचल प्रदेश में कौन-सी जनजातियाँ निवास करती हैं?

उत्तर: अरूणाचल हिमालय में पश्चिम से पूर्व की ओर क्रमश मोनपा, डफ्फला, अबर, मिशमी, निशी और नागा जनजातियाँ निवास करती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 भारत की उत्तर तथा उत्तर पूर्वी पर्वतमाला का विवरण पांच बिन्दुओं में दीजिए?

उत्तर:

1) उत्तर तथा उत्तर पूर्वी पर्वतमाला में हिमालय पर्वत और उत्तर पूर्वी पहाड़ियां शामिल हैं। इन पर्वतमालाओं की उत्पत्ति विवर्तनिक हलचलों से हुई है। तेज बहाव वाली नदियों से अपरदित ये पर्वत मालाएँ अभी भी युवा अवस्था में हैं।

2) हिमालय पर्वत भारत के उत्तर में चाप की आकृति में पश्चिम से पूर्व की दिशा में सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों के बीच लगभग 2500 कि.मी. तक फैला है। इसकी चौड़ाई 160 से 400 कि.मी. तक है।

3) मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर में ये पहाड़ियां उत्तर दक्षिण दिशा में फैली हैं। ये पहाड़ियां उत्तर में पटकोई बुम, नागा पहाड़ियां, मणिपुर पहाड़ियां और दक्षिण में मिजो या लुसाई पहाड़ियों के नाम से जानी जाती हैं।

4) हिमालय पर्वत की समानान्तर रूप में फैली हुई तीन पर्वत श्रेणियां हैं –

अ) वृहत् हिमालय :- यह हिमालय की सबसे ऊंची श्रेणी है। अधिक ऊंचाई होने के कारण यह सदा बर्फ से ढ़की रहती है।

मध्य हिमालय अथवा लघु हिमालय :- यह वृहत हिमालय के दक्षिण से लगभग उसके समानान्तर पूर्व से पश्चिम दिशा में फैली है। भारत के अधिकांश स्वास्थ्यवर्धक स्थान लघु हिमालय की दक्षिण ढलानों पर ही स्थित है। धर्मशाला, शिमला, डलहौजी, मसूरी, नैनीताल, दार्जिलींग आदि ऐसे ही स्थान हैं।

शिवालिक श्रेणी :- यह मध्य हिमालय के दक्षिण में उसके समानान्तर फैली है। यह हिमालय पर्वत श्रृंखला की अन्तिम श्रेणी है और मैदानों से जुड़ी है।

5) भारतीय उपमहाद्वीप तथा मध्य एवं पूर्वी एशिया के देशों के बीच एक मजबूत दीवार के रूप में हिमालय पर्वत श्रेणी खड़ी है। हिमालय एक प्राकृतिक अवरोधक ही नहीं अपितु यह एक जलवायु विभाजक, अपवाह और सांस्कृतिक विभाजक भी है।

https://www.evidyarthi.in/

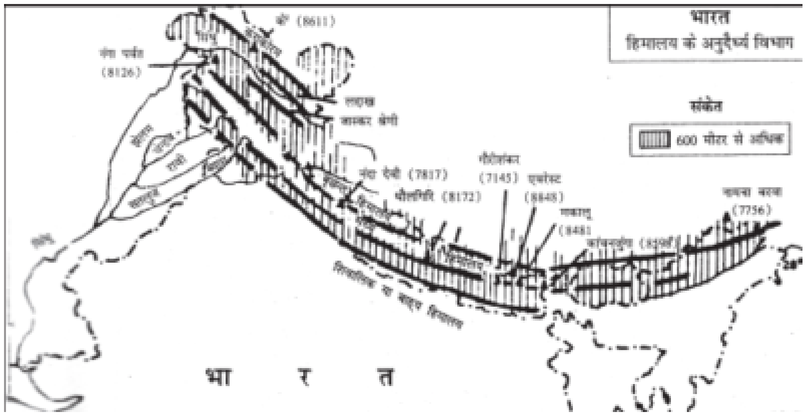

प्रश्न 2 प्रायद्वीपीय पठार की पांच विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

उत्तर:

1) प्रायद्वीपीय पठार तिकोने आकार वाला कटा-फटा भूखंड है। उत्तर-पश्चिम में दिल्ली-कटक, पूर्व में राजमहल पहाड़ियाँ, पश्चिम में गिर पहाड़ियाँ, दक्षिण में इलायची पहाड़ियाँ, प्रायद्वीपीय पठार की सीमाएँ निर्धारित करती है। उत्तर-पूर्व में शिलांग व कार्बी-ऐंगलोंग पठार भी इस भूखंड का विस्तार है।

2) प्रायद्वीपीय पठार मुख्यतः प्राचीन नीस व ग्रेनाइट से बना है।

3) यह पठार भूपर्पटी का सबसे प्राचीनतम भू खण्ड है जिसकी औसत ऊँचाई 600 और 900 मीटर है। कैम्ब्रियन कल्प से यह भूखंड एक कठोर खंड के रूप में खड़ा है।

4) इस पठार के उत्तर-पश्चिमी भाग में अरावली की पहाड़ियों, उत्तर में विन्ध्यांचल और सतपुड़ा की पहाड़ियां, पश्चिम घाट और पूर्व में पूर्वी घाट स्थित है। सामान्य तौर पर प्रायद्वीप की ऊंचाई पश्चिम से पूर्व की ओर कम होती जाती है। इस पठार के उत्तरी भाग का ढाल उत्तर दिशा की ओर है।

5) इंडो-आस्ट्रेलियाई प्लेट का अग्र भाग होने के कारण यह खंड ऊर्ध्वाधर हलचलों व भ्रंश से प्रभावित है। नर्मदा नदी, तापी और महानदी, भ्रंश घाटियों के और सतपुड़ा, ब्लॉक पर्वत का उदाहरण हैं।

प्रश्न 3 पश्चिमी घाट पर्वत और पूर्वी घाट पर्वत में पांच अन्तर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर:

पश्चिमी घाट पर्वत :

1) पश्चिमी घाट पर्वत उत्तर में महाराष्ट्र से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक अरब सागर के पूर्वी तट के साथ-साथ फैले हैं।

2) इन्हें महाराष्ट्र तथा गोवा में सहयाद्री, कर्नाटक तथा तमिलनाडु में नीलगिरी तथा केरल में अनामलाई और इलायची की पहाड़ियों के नाम से जानते हैं।

3) ये पर्वत लगातार एक श्रेणी के रूप में है। उत्तर से दक्षिण तक तीन दर्रे थालघाट, भोरघाट तथा पालघाट इसकी निरंतरता भंग करते प्रतीत होते हैं।

4) इस पर्वत श्रेणी की औसत ऊंचाई लगभग 1500 मीटर है जो कि उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ती जाती है।

5) प्रायद्वीपीय पठार की सबसे ऊंची चोटी अनाईमुडी 2695 मीटर है जो की पश्चिमी घाट पर्वत की अनामलाई पहाड़ियों में स्थित है। अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियों की उत्पत्ति पश्चिमी घाट से हुई है।

पूर्वी घाट पर्वत :

1) दक्कन पठार की पूर्वी सीमा पर पूर्वी घाट के पर्वत, महानदी की घाटी से लेकर दक्षिण में नीलगिरी तक फैले हैं। 2) पूर्वी घाट की मुख्य श्रेणियां जावादी पहाड़ियाँ, पालकोंडा श्रेणी, नल्लामाला पहाड़ियां और महेन्द्रगिरी पहाड़ियां हैं। 3) पूर्वी घाट की श्रेणी लगातार नहीं है। कई बड़ी नदियों ने इन्हें काटकर अपने मार्ग बना लिए हैं।

4) इस पर्वत श्रेणी की औसत ऊंचाई लगभग 600 मीटर है नदियों द्वारा अपदरित होने के कारण अवशिष्ट श्रृंखला ही शेष है।

5) पूर्वी और पश्चिमी घाट के पर्वत नीलगिरी पहाड़ियों में आपस में मिलते हैं। इस श्रेणी से कोई बड़ी नदी नहीं निकलती है।

प्रश्न 4 प्रायद्वीपीय पठार तथा हिमालय पर्वत में पांच अन्तर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर:

प्रायद्वीपीय पठार :

1) प्रायद्वीपीय पठार कठोर शैलों का प्राचीन भूखंड है।

2) इस का निर्माण एक उत्खंड के रूप में हुआ है।

3) यह कैम्ब्रियन कल्प से लेकर आज तक स्थल क्षेत्र ही रहा है। केवल इसके तटीय क्षेत्र अल्प अवधि के लिए समुद्र में डूब गए थे।

4) प्रायद्वीप पठार में मुख्यतः अवशिष्ट पर्वत पाए जाते हैं। अरावली पर्वत इसका प्रमुख उदाहरण है।

5) यहां नदी घाटियां उथली तथा मंद ढाल वाली हैं।

हिमालय पर्वत :

1) हिमालय अवसादी शैलों से निर्मित नवीन पर्वत है।

2) हिमालय एक मोड़दार पर्वत है जो विभिन्न भू-गर्भिक हलचलों से बना है।

3) हिमालय पर्वत की उत्पत्ति टेथिस के अवसादों से पर्वत निर्माणकारी विर्वतनिक हलचलों के परिणाम स्वरूप हुई है।

4) हिमालय तथा उससे संबंधित पर्वत श्रेणियां कमजोर तथा लचीली हैं। परिणामस्वरूप यहां वलन और विरूपण की क्रियाएं हुई हैं।

https://www.evidyarthi.in/

5) हिमालय विवर्तनिक पर्वत है : इस कारण यहां नदियां युवावस्था में हैं और तीव्र गति से बहती हैं।

प्रश्न 5 हिमालय पर्वत की मुख्य श्रृंखलाओं के नाम लिखिए तथा पश्चिमी हिमालय एवं पूर्वी हिमालय में कम से कम तीन अन्तर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर: हिमालय पर्वत की मुख्य श्रृंखलाएं इस प्रकार है :

- हिमाद्री या बृहद हिमालय
- मध्य हिमालय/लघु हिमालय
- शिवालिक श्रेणी/बाह्य हिमालय

पश्चिमी हिमालय

1) इसका विस्तार 72°-80° पूर्वी देशांतर के बीच अर्थात सिन्धु और काली नदियों के मध्य है।

2) यहाँ औसतन वर्षा 100 सेमी या उससे कम होती है।

3) यहाँ अल्पाइन और शंकुधारी वन पाए जाते हैं।

4) इसकी औसत ऊंचाई पूर्वी हिमालय से अधिक है।

पूर्वी हिमालय

1) इसका विस्तार 88° से 97° पूर्वी देशांतर के मध्य अर्थात् तीस्ता और ब्रह्मपुत्र नदियों के मध्य है।

2) औसत वर्षा 200 सेमी. या उससे अधिक होती है।

3) सदाहरित वन अधिक पाए जाते हैं।

4) औसत ऊंचाई पश्चिमी हिमालय से कम है।

प्रश्न 6 दिए गए रेखा चित्र का अध्ययन करें तथा निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

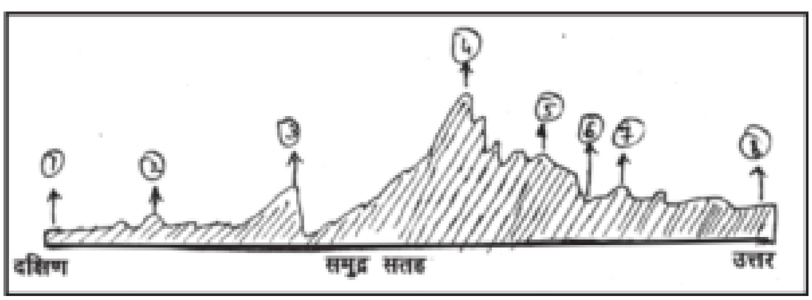

क) उपरोक्त चित्र का सही नामकरण कीजिए।

ख) उपरोक्त चित्र में बृहत हिमालय श्रेणी किस अंक पर दर्शाई गई है।

ग) ब्रह्मपुत्र/सिंधु नदी किस अंक पर दशाई गई है?

घ) संख्या 1 तथा 2 पर स्थित स्थलाकृति के नाम बतलाइये।

उत्तर:

क) हिमालय पर्वत समूह : दक्षिण से उत्तर तक का पार्श्वचित्र

ख) 4

ग) 6

घ) सिन्धु गंगा के मैदान

2) शिवालिक श्रेणी।

मानचित्र कार्य : निर्देशः भारत के दिए गए रेखामानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएं । संदर्भ के लिए आगे दिए गए मानचित्र की मदद लें। श्रीलंका, भारत और श्रीलंका के बीच जलसंधि, कराकोरम दर्रा, शिपकिला दर्रा, नाथुला दर्रा, बोमडिला दर्रा, विन्ध्याचल पर्वत, सतपुड़ा पर्वत, कोंकण तट, मालाबार तट, कोरोमंडल तट, उत्तरी सरकार तट, इंदिरा प्वाईंट, मालद्वीव, कन्याकुमारी, अरावली पर्वत, कंचन जुंगा, नीलगिरी, अनाईमुडी, नामचा बरवा तथा खासी पर्वत श्रेणी :

https://www.evidyarthi.in/